B/6,000

सामान्य हिन्दी

कक्षा—12

समय : 3 घण्टा 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. हिन्दी गद्य-साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(क) हरिश्चन्द्र को 'भारतेन्दु' की पदवी से सुशोभित किया गया— 1

(a) सन् 1860 ई. में (b) सन् 1865 ई. में
(c) सन् 1880 ई. में (d) सन् 1875 ई. में

(ख) काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना की थी— 1

(a) श्यामसुन्दर दास (b) सुमित्रानन्दन पंत
(c) गुलाबराय (d) राय कृष्णदास

(ग) 'चन्द्रकांता सन्तति' रचना है— 1

(a) भारतेन्दु युग (b) छायावादोत्तर युग (c) द्विवेदी युग (d) छायावादी युग

(घ) 'मधुआ' किस विधा की रचना है— 1

(a) निबन्ध (b) उपन्यास (c) कहानी (d) संस्मरण

(ङ) छायावादोत्तर काल के लेखक हैं— 1

(a) विद्या निवास मिश्र (b) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(c) गुलाबराय (d) श्यामसुन्दर दास

2. हिन्दी काव्य-साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(क) रीतिकाल का काव्य है— 1

(a) पृथ्वीराज रासो (b) रामचन्द्रिका (c) कामायनी (d) विनय पत्रिका

(ख) नवधा भक्ति के प्रकार हैं— 1

(a) एक (b) तीन (c) आठ (d) नौ

(ग) पन्त जी की प्रगतिवादी रचना मानी गई है— 1

(a) पल्लव (b) युगान्त (c) गुंजन (d) वीणा

(घ) निम्नलिखित में से रीतिबद्ध धारा के कवि कौन नहीं हैं? 1

(a) चिन्तामणि (b) मतिराम (c) द्विजदेव (d) पद्माकर

(ङ) अष्टछाप के कवि नहीं हैं— 1

(a) परमानन्द दास (b) ईश्वर दास (c) नन्द दास (d) गोविन्द स्वामी

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $2 \times 5 = 10$

धरती माता की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं, जिनके कारण वह वसुंधरा कहलाती है, उससे कौन परिचित न होना चाहेगा? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन-रात बहने वाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीसकर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है, हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है।

https://www.upboardonline.com

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) दिन-रात बहने वाली नदियों ने किस प्रकार से पृथ्वी की देह को सजाया है?
(घ) पृथ्वी की गोद में जन्म लेने वाले जड़ पत्थर कैसे सौन्दर्य के प्रतीक बन जाते हैं?
(ङ) लेखक ने हमें किनके योगदान के बारे में बताते हुए उनसे परिचित होने की प्रेरणा दी है?

अथवा

मगर उदास होना भी बेकार है। अशोक आज भी उसी मौज में है। जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति, यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद यह भी नहीं बदलती, और यदि वह न बदलती और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता—मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता—विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता, तो बड़ा बुरा होता।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) 'मनोवृत्ति' और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए।
(घ) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है?
(ङ) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

जाते-जाते अगर पथ में क्लान्त कोई दिखावे।
तो जाके सन्निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना॥
धीरे-धीरे परस करके भात उताप खोना।
सद्गंधों से श्रमित जन को हर्षितों सा बनाना॥
लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो नतू सुन्दरी को॥
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना॥

(क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) राधा पवन को क्लान्त व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या समझाती है?
(घ) राधा ने पवन को पथिक महिला के साथ कैसा व्यवहार करने के लिए निर्देश दिये हैं?
(ङ) 'कमल मुख' में कौन-सा अलंकार है?

अथवा

"निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा—
धिक्कार! उसे था महास्वार्थ ने घेरा।"
"सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
जिस जननी ने है जना भरत सा भाई।"
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई
"सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।"

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती है?
(घ) कैकेयी के प्रायश्चित के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं?
(ङ) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) जयशंकर प्रसाद

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5
(शब्द सीमा 80 शब्द)

7. 'स्वपठित खण्डकाव्य' के आधार पर 'नायिका' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए। 5
(शब्द सीमा 80 शब्द)
अथवा
'स्वपठित खण्डकाव्य' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः महर्षि व्यासः, कवि-कुल गुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते, इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्मानीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यम्, गौरवम् अखण्डत्वम् सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितं शक्यन्ते, इयं संस्कृत भाषा सर्वासु प्राचीनतमा श्रेष्ठाचास्ति, ततः सुष्ठुक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि, तत स्तेडनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच—यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किंतेना- हममृता स्यामिति, याज्ञवल्क्य उवाच-नेति।

(ख) दिये गये संस्कृत श्लोकों में से किसी एक की ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं कुद्धो भविष्यति॥

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्॥

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयाग कीजिए— 1+1=2

(क) घर फूँक तमाशा देखना (ख) दाँतों तले उँगली दबाना
(ग) एक अनार सौ बीमार (घ) एक हाथ लेना दूजे हाथ देना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही-विकल्प का चयन कीजिए—
(i) 'महर्षि' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) मह + र्षि (ब) म + हर्षिः (स) महा + रिषिः (द) महा + ऋषिः
(ii) 'विद्यालयः' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) विद्या + लयः (ब) विद्य + आलयः
(स) विद्या + आलयः (द) विद्या + यालयः

https://www.upboardonline.com

(iii) उपेन्द्रः का सन्धि विच्छेद है–
(अ) उपे + इन्द्रः (ब) उप + ईन्द्रः
(स) उप + एन्द्रः (द) उप + इन्द्रः

(ख) निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए– 1

(i) 'आत्मने' का विभक्ति और वचन है–
(अ) पंचमी, एकवचन (ब) षष्ठी, एकवचन
(स) चतुर्थी, एकवचन (द) सप्तमी, बहुवचन

(ii) 'नामभ्यः' में 'विभक्ति' और वचन है– 1
(अ) द्वितीया, बहुवचन (ब) चतुर्थी, बहुवचन
(स) तृतीया, द्विवचन (द) पंचमी, एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए– 1

(i) पास-पाश–
(अ) उत्तीर्ण और निकट (ब) निकट और जाल
(स) निकट और ऊँचा (द) समीप और दूर

(ii) गृह-ग्रह– 1
(अ) घर और नक्षत्र (ब) घर और गृहस्थी
(स) गिरीह और घर (द) गाँव और घर

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिये– 1 + 1 = 2
(i) कपि (ii) द्विज (iii) अलि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए–

(i) जिसे जाना न जा सके– 1
(अ) अज्ञेय (ब) अज्ञात (स) अल्पज्ञ (द) अज्ञानी

(ii) जिसके शत्रु का जन्म ही न हुआ हो– 1
(अ) अजातशत्रु (ब) शत्रुहीन (स) मित्रवान (द) श्रेष्ठ मनुष्य

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 1 + 1 = 2
(i) परमात्मा के अनेको नाम हैं। (ii) तुम तो कुर्सी में बैठे है।
(iii) मेरे को कुछ नहीं मालूम है। (iv) मैं पानो पी लिया है।

12. (क) 'हास्य रस' अथवा 'करुण रस' के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'रूपक' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2

13. अपने मुहल्ले में गन्दगी की सफाई कराने हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

ग्राम प्रधान की ओर से अपने जनपद के जिलाधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें गाँव की सफाई, व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया हो। 2 + 4 = 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए–

(क) भारत में बेरोजगारी की समस्या (ख) साहित्य समाज का दर्पण है
(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप (घ) भारत में कम्प्यूटर का महत्व
(ङ) छात्र और अनुशासन। 2 + 7 = 9

https://www.upboardonline.com